

**अमरेश** पुं. (तत्.) देवताओं का राजा, इंद्र।

**अमरेश्वर** पुं. (तत्.) अमरेश, इंद्र।

**अमरोली** स्त्री. (तत्.) (योग) वज्रोली का एक भेद, जिसमें खेचरी मुद्रा लगा कर तालु से स्रवित सोम (अमृत) का पान किया जाता है दे. वज्राली।

**अमरौती** पुं. (तत्.) 1. एक प्रकार का फल जिसे खाकर अमरत्व प्राप्त होने की कल्पना की जाती है 2. अमर्त्यता, अमरता।

**अमर्त्य** वि. (तत्.) 1. जो मर्त्य न हो, अमर, अनश्वर, मृत्युरहित 2. दिव्य पुं. देवादि।

**अमर्त्यलोक** पुं. (तत्.) अमर्त्यों अर्थात् देवों का लोक, देवलोक।

**अमर्दित** वि. (तत्.) 1. जिसका मर्दन न हुआ हो, जो मला न गया हो 2. अपराजित।

**अमर्याद** वि. (तत्.) मर्यादाहीन, मर्यादा के विपरीत, अप्रतिष्ठित, असंगत।

**अमर्यादा** स्त्री. (तत्.) 1. अप्रतिष्ठा, बेइज्जती 2. अनुचित या असंगत, आचरण।

**अमर्यादित** वि. (तत्.) 1. जिसमें मर्यादा या सीमा न हो, असीम 2. अप्रतिष्ठित। 3. जिसमें मर्यादा का ध्यान न रखा गया हो।

**अमर्ष** पुं. (तत्.) 1. मर्ष अर्थात् सहिष्णुता का अभाव, असहिष्णुता 2. क्रोध, गुस्सा 3. एक संचारीभाव 4. तिरस्कार आदि से उत्पन्न क्षोभ।

**अमर्षण** पुं. (तत्.) 1. असहिष्णुता 1. क्रोध, गुस्सा करने की क्रिया या स्थिति।

**अमर्षी** वि. (तत्.) मन में अमर्ष भाव रखनेवाला, क्रोधी, असहिष्णु दे. अमर्षण।

**अमल** वि. (तत्.) 1. मल-रहित, निर्मल, स्वच्छ 2. निर्दोष, शुद्ध, निष्पाप 3. उज्ज्वल, चमकीला पुं. (तत्.) 1. निर्मलता 2. पारब्रह्म 3. अबरक 4. आचरण, व्यवहार, क्रिया, काम, कार्यान्वयन पुं. (देश.) 1. लत, आदत 2. नशा मुहा. अमल पानी करना- नशा करना, भांग पीना।

**अमलता** स्त्री. (तत्.) 1. मलहीनता, स्वच्छता, सफाई 2. निष्कलंकता।

**अमलतास** पुं. (तद्.) एक विशेष पेड़ जिसकी पत्तियाँ, पीले फूल और लंबी फलियाँ दवा के रूप में प्रयुक्त होती हैं।

**अमलदार** पुं. (अर.) 1. अधिकारी 2. प्रशासक, हुकूमत करनेवाला।

**अमलदारी** स्त्री. (अर.) 1. अधिकार 2. प्रशासन, हुकूमत 3. शासन काल।

**अमलनामा** पुं. (अर.+फा.) कर्मपुस्तक, वह रजिस्टर जिसमें कर्मचारियों के सभी वृत्त या (अच्छी-बुरी) गतिविधियाँ अंकित की जाती हैं।

**अमलपट्टा** पुं. (तत्.) (अर.+तद्) 1. काम करने के लिए किसी कर्मचारी को दिया गया अधिकार पत्र। 2. (राजस्व) भूमि संबंधी अधिकार पत्र।

**अमलबंत** पुं. (तद्.) आयु. 1. एक प्रकार की लता जिसमें सफेद रंग के फूल और छोटे छोटे गोल फल लगते हैं 2. औषधिरूप में प्रयुक्त होने वाला उपर्युक्त फल।

**अमला** पुं. (तद्.) आँवला स्त्री. (तत्.) लक्ष्मी पुं. (अर.) 1. कर्मचारी-गण, सेवक-गण 2. कार्याधिकारी।

**अमलिन** वि. (तत्.) 1. जो मल युक्त न हो। स्वच्छ। 2. निर्दोष, पवित्र।

**अमली** वि. (तत्.) 1. अमल में आनेवाला, व्यावहारिक 2. अमल करनेवाला 3. नशेबाज स्त्री. (तद्.) इमली।

**अमलूक** पुं. (तद्.) उत्तर-पश्चिम भारत का काले रंग के छोटे फल वाला पेड़ तथा फल।

**अमलोनी** स्त्री. (तद्.) छोटी छोटी परंतु मोटी पत्तियों वाली नोनी नाम की नमकीन स्वाद वाली घास जिसे साग के रूप में खाते हैं।

**अमसूल** पुं. (तद्.) महाराष्ट्र और कर्नाटक में प्राप्त होने वाला एक औषधोपयोगी वृक्ष।

**अमहल** वि. (तत्.+अर.) जिसका कोई निर्धारित आवास न हो, सर्वत्र वास करने वाला।